ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 01-07-2022

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2022-07-01 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2022-07-02	2022-07-03	2022-07-04	2022-07-05	2022-07-06
वर्षा (मिमी)	15.0	35.0	30.0	40.0	65.0
अधिकतम तापमान(से.)	20.0	21.0	22.0	22.0	23.0
न्यूनतम तापमान(से.)	15.0	15.0	16.0	16.0	15.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	70	75	75	90
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	50	50	50	55	60
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6.0	6.0	6.0	6.0	8.0
पवन दिशा (डिग्री)	130	130	100	250	130
क्लाउड कवर (ओक्टा)	8	7	7	8	8

मौसम सारांश / चेतावनी:

आगामी पांच दिनों में, मध्यम वर्षा होने की सम्भावना है। अधिकतम एवम् न्यूनतम तापमान क्रमश: 20.0 से 23.0 व 15.0 से 16.0 डिग्री सेल्सियस रहेगा| हवा के 6.0-8.0 किमी/ घंटे की गति से दक्षिण-पूर्व, पूर्व-दक्षिण-पूर्व तथा पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम दिशा से चलने का अनुमान है। चेतावनीः 5 जुलाई को कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी वर्षा होने की सम्भावना है। ईआरएफएस के अनुसार, 6 से 12 जुलाई के दौरान राज्य में वर्षा सामान्य से अधिक तथा न्यूनतम तथा अधिकतम तापमान समान्य रहने का अनुमान हैं।

सामान्य सलाहकार:

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त एनडीवीआई व एसपीआई मानचित्रों ने संकेत दिया कि उधम सिंह नगर जिले के लिए एनडीवीआई 0.1-0.4 के बीच है, यानी जिले में कृषि स्थिति मध्यम है तथा एसपीआई मानचित्र पिछले 4 हफ्तों (2 जून से 29 जून के दौरान) से जिले में हल्की सूखे की स्थिति दर्शाता है | किसान भाई पिछले सप्ताह के मौसम, मौसम पूर्वानुमान और मौसम आधारित कृषि सलाह प्राप्त करने के लिए "मेघदूत ऐप" तथा आकाशीय बिजली के पूर्वानुमान हेतु "दामिनी एप" डाउनलोड करें। मेघदूत व दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉ इड उपयोगकर्ताओं) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ताओं) से डाउनलोड किया जा सकता है| किसान भाई रसायनों का छिड़काव मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करें। आगामी दिनों में मध्यम वर्षा की सम्भावना व भारी वर्षा की चेतावनी को देखते हुए किसान भाईयो को सलाह दी जाती है की वह अभी रसायनों का छिड़काव न करें। उत्तराखंड जिले में मानसून का आगमन हो गया है अतः मानसून की पहली बारिश में पशुओं को न भीगने दें ताकि उन्हें त्वचा सम्बन्धी विकार न हों।

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी पांच दिनों में, मध्यम वर्षा होने की सम्भावना है। 5 जुलाई को कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी वर्षा होने की चेतावनी दी गई है। किसान भाई खेत में जल निकास की उचित व्यवस्था बनायें रखें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	घाटी वाले क्षेत्रो में माह के प्रथम सप्ताह तक रोपाई कर लें। किसान भाई धान की रोपाई से पूर्व खेत मे सिंचाई के लिए नाली तथा जल निकास की समुचित व्यवस्था करें।
काला चना	उर्द की बुवाई माह के प्रथम सप्ताह तक पूर्ण करें। खेत में जल निकास की उचित व्यवस्था बनायें रखें।
मूँग	मूँग की बुवाई माह के प्रथम सप्ताह तक पूर्ण करें। खेत में जल निकास की उचित व्यवस्था बनायें रखें।
सोयाबीन	सोयाबीन की बुवाई जुलाई प्रथम सप्ताह तक करे। खेत में जल निकास की उचित व्यवस्था बनायें रखें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
मिर्च	मिर्च की फसल में ऊपर से डन्ठल काले पड़कर सूखने की समस्या की निदान हेतु संक्रमित शाखाओं को तोड़कर हटा दें एवं फल सड़न की समस्या हेतु कार्बेन्डाजिम का 0.1 प्रतिशत की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। रसायनों का छिड़काव मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए, मौसम साफ होने पर ही करें। खेत में जल निकास की उचित व्यवस्था बनायें रखें।
सेम की फली	फ्रासबीन की फलिया सड़ने एवं सफेद फफंूदी की बढ़वार दिखाई पड़ने पर कार्बन्डाजिम 1 ग्राम/लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करे। रसायनों का छिड़काव मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए, मौसम साफ होने पर ही करें। खेत में जल निकास की उचित व्यवस्था बनायें रखें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	पशुओ को संक्रामक रोग से बचाने हेतु टीकाकरण करवायें। मानसून के प्रारम्भ में अचानक तेज घूप व तेज वर्षा से पशुओं को बचायें क्योंकि इसकी वजह से त्वचा में जलन जैसा विकार उत्पन्न हो जाता है। इस ऋतुओं में कृमियों का प्रकोप बढ़ जाता है और इससे बचने के लिए कृमिनाशक का उपयोग निकटतम पशु चिकित्सक की सहायता से करें।
भेंस	पशुओ को संक्रामक रोग से बचाने हेतु टीकाकरण करवायें। मानसून के प्रारम्भ में अचानक तेज घूप व तेज वर्षा से पशुओं को बचायें क्योंकि इसकी वजह से त्वचा में जलन जैसा विकार उत्पन्न हो जाता है। इस ऋतुओं में कृमियों का प्रकोप बढ़ जाता है और इससे बचने के लिए कृमिनाशक का उपयोग निकटतम पशु चिकित्सक की सहायता से करें।